



# Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 49-2024] CHANDIGARH, TUESDAY, DECEMBER 3, 2024 (AGRAHAYANA 12, 1946 SAKA)

## PART-I

### Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 26 नवम्बर, 2024

**संख्या 12/250-जरासंध-2024/पुरा/4058-64.**— हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (3) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, अधिसूचना संख्या 12/250-जरासंध-2024/पुरा/2445-2452, दिनांक 10 जुलाई, 2024 के प्रतिनिर्देश से, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में यथा विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करते हैं:—

#### अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/ शहर का नाम	तहसील/ जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/ किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल-मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
जरासंध का टीला (प्रारंभिक ऐतिहासिक-प्रारंभिक मध्यकालीन)	जरासंध का टीला (प्रारंभिक ऐतिहासिक-प्रारंभिक मध्यकालीन)	संधाई	बिलासपुर, यमुनानगर	खसरा-83 खेवट संख्या- 501 हदबस्त संख्या-265	19-11	हरियाणा सरकार वन विभाग	यह क्षेत्र संधाई गांव (30°20' 49"N and 77° 19' 08"E) यमुनानगर जिले की बिलासपुर तहसील के अधिकार क्षेत्र में आता है। यह प्राचीन नदी सरस्वती के पूर्वी तट और बाढ़ से प्रभावित मैदानी क्षेत्र में स्थित है। गांव में विशाल टीला (परिधि में लगभग 1.72 एकड़ क्षेत्रफल) है, जो कृषि क्षेत्र में स्थित है। टीला संघन वनस्पति से पूर्णतः आच्छादित है। क्षेत्र सर्वेक्षण गुप्त काल से लेकर गुर्जर-प्रतिहारों तक है। टीले के चारों ओर ईंट संरेखन दिखाई देती पाई गई है। स्थल से विभिन्न सांस्कृतिक चरणों की सांस्कृतिक सम्पदा मृदभाण्ड की आकृतियां छोटे-छोटे मिट्टी के बर्तन, कटोरे, कुषाण काल की ईंटें, इंडो-सासैनियन सिक्के प्राप्त किए गए हैं।

कला रामचंद्रन,  
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,  
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

**HARYANA GOVERNMENT**  
**HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT**

**Notification**

The 26th November, 2024

**No. 12/250-Jarasandh-2024/pura/4058-64.**— In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), and with reference to Haryana Government, Heritage and Tourism Department, notification No. 12/250-Jarasandh-2024/Pura/2445-2452, dated the 10th July, 2024, the Governor of Haryana hereby declares the ancient and historical monuments specified in column 1 of Schedule given below to be a protected monument and archaeological site and remains as specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be a protected area:-

**SCHEDULE**

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of tehsil / district	Revenue Khasra/ Kila number under protection	Area to be protected Kanal- Marla	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Jarasandh Ka Tila (Early Historical-Early Medieval Site)	Jarasandh Ka Tila (Early Historical-Early Medieval Site)	Sandhai	Bilaspur Yamuna Nagar	Khasra No. 83 Kila No. 501 Hadbast No. 265	19 –Kanal 11- Marla	Haryana Government Forest Department	Area comes under the jurisdiction of Sandhai village (30°20' 49" N and 77° 19' 08" E), Bilaspur Tehsil of Yamuna Nagar district, lies on the east bank and flood plains of ancient River Saraswati. Village has a huge mound (about 1.72, acre area in circumference) which is situated in an agricultural field. The mound is totally covered by thick vegetation. During field survey cultural material of different cultural phases from Gupta period to Gurjar-Partiharas was noticed. A brick alignment is visible around the mound. Ceramics pots, bowls, Kushan bricks and Indo-Sasanian coins have been recovered from the site.

KALA RAMACHANDRAN,  
Principal Secretary to Government, Haryana,  
Heritage and Tourism Department.